हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 269 देहरादून, बृहस्पतिवार, 20 अप्रैल, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

एसडीएम युक्ता मिश्रा की छापेमारी ने खोल दी सरकारी कर्मियों की पोल

3

मुख्यमंत्री धामी ने सेब उत्पादकों को किया सम्मानित, एप्पल मिशन की बताई खूबियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 अप्रैल , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वाडिया भू विज्ञान संस्थान में इंडो डच हार्टिकल्चर एवं कोका कोला इंडिया द्वारा आयोजित "संकल्प से परिवर्तन की ओर" कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने सेब उत्पादन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले कृषकों को सम्मानित किया। उन्नति एप्पल योजना के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए इंडो डच हार्टिकल्चर एवं कोका कोला इंडिया द्वारा सहयोग दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जीवन में किसी लक्ष्य को पाने के लिए संकल्प के साथ आगे बढ़ना बहुत जरूरी है। जब हम किसी लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प लेते हैं तभी कोई परिवर्तन आता है। कोका कोला इंडिया तथा इंडो डच हॉर्टिकल्चर टेक्नोलॉजी ने जिस कार्य को पूरा करने का संकल्प लिया था, उसे सिद्धि तक पहुंचा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में फलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। इसके अंतर्गत नाबार्ड के सहयोग से 18 हजार पॉलीहाउस की स्थापना के लिए 280 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। सेब उत्पादन को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करने के लिए एप्पल मिशन के तहत 35 करोड़ की योजना को भी प्रारंभ किया गया है। राज्य में उच्च मूल्य वाली फसलों कीवी, ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी आदि को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि और उद्यान को बढ़ावा देने के साथ ही हमें प्राकृतिक खेती पर अधिक ध्यान देना होगा। हम सेब की प्राकृतिक खेती द्वारा उत्तराखंड के सेब को देश दुनिया में विशिष्ट पहचान दिला सकें, इस पर ध्यान देने

की आवश्यकता है। ऐसा कर हम उत्तराखंड में सेब उत्पादन के क्षेत्र में नई क्रांति ला सकते हैं। उन्होंने कहा प्रदेश में उद्योगों के साथ ही बागवानी के विकास के लिए भी अनुकूल नीति बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि कृषि और बागवानी विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक राज्य की भौगोलिक परिस्थिति के अनुकूल बागवानी विकास के लिए शोध व अनुसंधान पर विशेष ध्यान देंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में एप्पल मिशन के साथ अधिक से अधिक किसानों को जोड़ा जा रहा है। जम्मू कश्मीर और हिमाचल के साथ - साथ उत्तराखंड की भी सेब उत्पादन में विशेष पहचान बने, इसके लिए गुणवत्ता व पैकिंग पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोका कोला इंडिया तथा इंडो डच हॉर्टिकल्चर टेक्नोलॉजी के सहयोग से प्रदेश में चल रही "उन्नति एप्पल योजना" के बड़े लाभकारी परिणाम सामने आये हैं। उनके द्वारा एक हज़ार बगीचों का कार्य पूरा किया गया है तथा लगभग चालीस हजार लोगों को इसके अंतर्गत ट्रैनिग प्रदान की गयी है। इससे राज्य में किसानों की आय में तेजी से वृद्धि हो रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि उत्तराखण्ड में उद्यान के क्षेत्र में कार्य करने की अनेक संभावनाएं हैं। राज्य सरकार द्वारा भी औद्यानिकी को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। किसानों के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि योजनाओं को सफल बनाने में जनता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सेब, कीवी, मौनपालन, मशरूम आदि के क्षेत्र में राज्य में काफी अच्छे कार्य हो रहे हैं।

इस अवसर पर उन्नति एप्पल योजना से लाभान्वित किसानों ने भी अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने कहा कि अच्छी गुणवत्ता के पौध उपलब्ध होने से उनकी सेब की उत्पादकता बढ़ी है। इस अवसर पर कोका कोला इण्डिया की उपाध्यक्ष देवयानी राजलक्ष्मी राणा, निदेशक राजेश अयापिला, अशोक बेरी, सुधीर चड्ढ़ा एवं राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आये कृषक उपस्थित थे

देश में टनल परियोजनाओं से ऑल वेदर कनेक्टिविटी आसान हुई : गडकरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडक़री ने कहा कि है। इससे कई ऐसे हिमालयी क्षेत्र आपस में जुड़ पाए हैं जो कई महीनों तक बर्फ की वजह से कटे रहते थे। उन्होंने कहा कि आपसी कनेक्टिविटी बढने से रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। नितिन गडक़री ने बुधवार को डीआईटी यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल टनल टेक्नोलॉजी वर्कशॉप का वर्चुअली शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि टनल परियोजनाओं की वजह से जम्मू और लद्दाख जैसे क्षेत्रों के कई ऐसे इलाके ऑल वेदर कनेक्टिविटी से जुड़ गए जो पहले मौसम की वजह से कई महीनों तक कटे रहते थे। उन्होंने कहा कि दुनियां में टनल टेक्नोलॉजी तेजी से आगे बढ़ रही है और देश में भी उसे अपनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के मौजूद केंद्रीय सडक़ परिवहन राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह ने कहा कि टनल परियोजनाओं का निर्माण पर्यावरण की दृष्टि से अच्छा है। उन्होंने कहा कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सडक़ की बजाए टनल निर्माण ज्यादा कारगर है। उन्होंने कहा कि नई तकनीकी से टनल का निर्माण किए जाने से परियोजना की लागत भी कम आती है। उन्होंने कहा कि दो दिन की चर्चा के बाद विशेषज्ञों की ओर से मिलने वाले सुझावों पर अमल किया जाएगा।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बोलते हुए उत्तराखंड के लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि राज्य में बन रही टनल परियोजनाओं में आधुनिक तकनीकी का प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में बनने वाली टनल परियोजनाएं छोटी छोटी बनाई जाएं। उन्होंने कहा कि छोटी टनल पर्यावरण की दृष्टि से भी अच्छी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार टनल निर्माण में नई तकनीकी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर फोकस कर रही है।

उत्तराखंड में कहर बरपाने लगा कोरोना एक दिन में 139 लोग पॉजिटिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 20 अप्रैल : उत्तराखंड में कोरोना को लेकर लगातार चिंता बढ़ाने वाली खबरें मिल रही हैं। राज्य में कोरोना के 139 नए मरीज मिले। पिछले तीन महीने में कोरोना मरीजों के मिलने का ये सबसे बड़ा आंकड़ा है। राजधानी देहरादून में स्थिति गंभीर बनी हुई है, यहां 69 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए।

इस वक्त प्रदेश में कोरोना के 350 एक्टिव केस हैं। जहां दून में 69 लोगों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई तो वहीं नैनीताल में 28, टिहरी व उत्तरकाशी में नौ-नौ, अल्मोड़ा में पांच, बागेश्वर व पिथौरागढ़ में 4-4, चंपावत में तीन, पौड़ी में दो और हरिद्वार में छह मरीजों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। कोरोना संक्रमित 88 मरीज स्वस्थ भी हुए।

बीते एक सप्ताह से कोरोना संक्रमितों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। हर दिन संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन लोग अब भी सावधानी नहीं बरत रहे। कोविड प्रोटोकॉल का पालन नहीं कर रहे। रेलवे स्टेशन समेत तमाम भीड़-भाड़ वाली जगहों पर लोग बिना मास्क के घूमते दिखाई दे रहे हैं। कोविड के

लक्षण दिखने पर भी कई लोग जांच से परहेज कर रहे हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। अस्पताल से लेकर बाजार तक लोगों की भीड़ नजर आ रही है। लेकिन लोग न तो मास्क लगा रहे हैं और न ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं। जिम्मेदार भी इसको लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। ये लापरवाही लोगों के स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है।

क्यों .. कैसे और कब लग जाती है खड़ी कार में आग ? पूरी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 अप्रैल , कारों में आग लगने की घटनाएं कोई नई बात नहीं है। अक्सर कारों में आग लगने की घटनाएं सामने आती हैं। हालांकि कार में आग लगने की घटनाएं सबसे ज्यादा गर्मी के मौसम में होती हैं। लेकिन कभी आपने सोचा है कि वो कौन से कारण होते हैं, जिनकी वजह से कार आग की चपेट में आ जाती है। वहीं अगर कभी कार में आग लग जाए तो उस समय क्या करना चाहिए और इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। जानते हैं।

इन वजहों से लगती है आग

आजकल कार बाजार में नई-नई कार एक्सेसरीज़ आ रही हैं। बाजार में ओरिजिनल के साथ सस्ती और नकली कार एक्सेसरीज़ भी खूब बिक रही हैं। ऐसे में लोग पैसा बचाने के चक्कर में नकली और सस्ती एक्सेसरीज़ अपनी कार में लगवा लेते हैं। इस दौरान ज्यादातर लोग एक गलती और करते हैं। वे अप्रशिक्षित मेकैनिक से एक्सेसरीज अपनी गाड़ी में फिट करवा लेते हैं। ऐसे में कई बार गलत वायरिंग से कार में शॉर्ट सर्किट की वजह से भी आग लग जाती है।

सस्ती सीएनजी किट

कई लोग पैसा बचाने के चक्कर में कार में नकली और सस्ती सीएनजी किट लगवा लेते हैं। हालांकि यह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। सस्ती और नकली सीएनजी किट कार में आग लगने का बड़ा कारण बनती है। यदि किसी कार में आग लग जाती है तब कार में लगे इलेक्ट्रिकल यूनिट जाम हो जाते हैं। इससे पावर विंडो, सीट बेल्ट और सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम भी फेल हो जाते हैं, जिसकी वजह से कार में बैठे लोगों को बाहर निकलना काफी मुश्किल हो जाता है।

कार में लग जाए आग तो क्या करें

अगर आपको इस बात का अंदाजा लग रहा हो कि आपकी कार आग की चपेट में आ रही है तो तुरंत कार को साइड में लगा कर बाहर निकल जाएं। क्योंकि जैसे-जैसे कार आग की चपेट में आती जाएगी उसके भीतर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस फैलने लग जाएगी जोकि बेहद खतरनाक साबित हो सकती है।कार के बोनट को बिलकुल न खोलें यदि आपने ऐसा किया तो आग को ऑक्सिजन मिल जाएगी और आग ज्यादा फ़ैल जाएगी। यदि आपकी कार में अग्निशमन यंत्र है तो उससे आप कार की आग पर कंट्रोल कर सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

हमेशा ध्यान रखें कि कार की सर्विस ऑथोराइज्ड सर्विस सेंटर से ही कराएं। अक्सर लोग फ्री सर्विस के बाद लोकल जगह से कार की सर्विस कराते हैं। ऐसे में कई बार अप्रशिक्षित मैकेनिक के हाथों से कार में गड़बड़ी हो जाती है जोकि खतरनाक साबित होती है। अपनी कार में एक फायर एक्सटिंग्विशर जरूर रखें, ताकि जरूरत पड़ने आग बुझाने में आप इसकी मदद ले सकें। इसके साथ ही कार में एक सीट बेल्ट क़टर साथ रखें ताकि जरूरत पड़ने पर एक्सीडेंट के दौरान फंसी हुई सीट बेल्ट को काटा जा सके। इसके अलावा कार में एक छोटा हथौड़ा भी रखें, जिससे कार का शीशा तोड़ने में मदद मिले।

कहीं आपका दुशमन तो नहीं बन रहा स्मार्ट फ़ोन ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 अप्रैल , अगर आप स्मार्टफोन का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं तो सावधान हो जाएं. क्यों कि स्मार्टफोने के तीन घंटे से ज्यादा इस्तेमाल करने से आपको कई तरह की बीमारियां होना का खतरा है. ये बात ब्राजील में हुए एक शोध में कही गई है. वैसे भी स्मार्टफोन या कंप्यूटर का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल कभी भी सही नहीं माना गया है. यही नहीं एक सीमा से अधिक स्क्रीन का इस्तेमाल किसी भी उम्र के लोगों के लिए खतरे से खाली नहीं है.

ये बात अलग है कि कोरोना महामारी के बाद डिजिटल तकनीकी में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है और हम सब अपने स्मार्टफोन, कंप्यूटर या अन्य उपकरणों पर ज्यादा निर्भर हुए हैं. स्कूल हो या दफ्तर का काम ज्यादातर स्मार्ट उपकरणों के उपयोग के आसपास ही केंद्रित रहे हैं. जिसका बुरा असर हम सबके सामने है. ब्राजील में हुए शोध में बताया गया है कि जरूरत से ज्यादा स्मार्टफोन का इस्तेमाल हमें कई बीमारियों का शिकार बना सकता है. स्क्रीन के संपर्क में रहने से हम खराब पॉस्चर में बैठते हैं, जिस वजह से पीठ में तेज दर्द की समस्या समेत और भी कई स्वास्थ्य समस्याएं होने की खतरा बढ़ गया है.

खतरनाक है 3 घंटे से ज्यादा स्मार्टफोन का इस्तेमाल

ब्राजील में हुए एक शोध में शामिल शोधकर्ताओं के एक समूह ने पाया कि जो लोग तीन घंटे से ज्यादा स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते थे उन्हें रीढ़ की हड्डी में परेशानी का सामना करना पड़ा. जिसमें पेट के बल बैठना या लेटना और हर दिन तीन घंटे से अधिक समय तक स्क्रीन का उपयोग करना शामिल है. साइंटिफिक जर्नल में छपी एक रिपोर्ट में के मुताबिक, एक दिन में 3 घंटे से ज्यादा स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने से टीनएजर्स को पीठ दर्द या खराब पॉस्चर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है.

थेरैसिक स्पाइन पेन पर केंद्रित है ये शोध

बता दें कि ये शोध थेरैसिक स्पाइन पेन पर कंद्रित था. थोरैसिक रीढ़ छाती के पीछे स्थित होती है जो कि कंधे के ब्लेड के बीच और गर्दन के नीचे से कमर तक फैली होई है. इस शोध में हाई स्कूल के पहले और दूसरे वर्ष के 14 से 18 साल के छात्र-छात्राओं को शामिल किया गया. इसमें 1628 छात्रों ने हिस्सा लिया. शोध में पता चला है कि थोरैसिक स्पाइन पेन से लड़कों के मुकाबले लड़कियां ज्यादा प्रभावित हुई.

अध्ययन कहता है, थोरैसिक स्पाइन पेन (TSP) का प्रसार दुनिया भर की सामान्य आबादी में आयु वर्ग के अनुसार भिन्न होता है, वयस्कों के लिए प्रसार दर 15 फीसदी से 35 फीसदी तक और बच्चों और किशोरों के लिए 13 प्रतिशत से 35 प्रतिशत तक होती है. शोध में पता चला कि कोरोना के दौरान इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का उपयोग तेजी से बढ़ने की वजह से पीठ दर्द वाले बच्चे और किशोर अधिक गतिहीन होते हैं, साथ ही उनका अकादमिक प्रदर्शन भी खराब रहा है.

एसडीएम युक्ता मिश्रा की छापेमारी ने खोल दी सरकारी कर्मियों की पोल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 अप्रैल , उप जिलाधिकारी चकराता युक्ता मिश्रा ने त्यूनी क्षेत्रान्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र त्यूनी, लोक निर्माण विभाग कार्यालय, जल संस्थान, सब स्टेशन, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग शाखा प्रभारी उद्यान सचल दल केन्द्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान जो हकीकत सामने देखि और पाई वो चौकाने वाली थी।

उप जिलाधिकारी के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र त्यूनी में निरीक्षण के दौरान पंजीकरण कक्ष में कार्मिक उपस्थित रही। उपस्थिति पंजिका में कक्ष सेविका अप्रैल में निरन्तर कार्यालय से अनुपस्थित चल रही है। एक अन्य कार्मिक एवं चिकित्सक अनुपस्थित पाये गये। तथा एक कर्मी का 10-अप्रैल से उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर किया जाना नहीं पाया गया है, और निरीक्षण के समय अस्पताल में ओ०पी०डी० रजिस्टर में भी कोई प्रविष्टि नहीं थी। स्पष्ट है कि ये पूर्व तिथियों में अनुपस्थित थे। इनके वेतन रोकने की कार्यवाही की संस्तुति की। एक चिकित्सक का चिकित्सा अवकाश पर होना बताया गया अस्पताल में चिकित्सकों वार्ड बॉय का नाईट ड्यूटी के लिए रोस्टर नहीं बनाया गया है। चिकित्सक प्रभारी को तत्काल रोस्टर बनाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। 1 कार्मिक निरीक्षण के समय अस्पताल में उपस्थित नहीं थे। चिकित्सा प्रभारी द्वारा बताया गया कि वह रात्रि ड्यूटी में हैं। ए०एन०एम०, सहित 02 अन्य कार्मिकों का अवकाश पर होना बताया गया किन्तु अवकाश के सम्बन्ध में कोई प्रार्थना पत्र नहीं पाया गया है।

स्टाफ नर्स निरीक्षण के समय अस्पताल पर उपस्थित रही, किन्तु उपस्थिति पंजिका पर 12-04-2023 से हस्ताक्षर किया जाना नहीं पाया गया। स्वास्थ्य कार्यकर्ती द्वारा उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर नहीं किये गये है एक्सरे रूम में व प्रसूति कक्ष में कार्मिक उपस्थित थे। 1 कार्मिक का रात्रि में ड्यूटी में होना बताया गया अस्पताल में एल्ट्रासाउण्ड मशीन हेतु कक्ष की व्यवस्था की गयी है। प्रभारी चिकित्सक द्वारा बताया गया कि अस्पताल में स्वीपर नहीं होने के कारण साफ

सफाई में कठिनाईयाँ उत्पन्न हो रही है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में 03 एम्बुलेन्स खड़ी थी, जिसमें छोटी एम्बुलेंस खुशियों की सवारी व 02 चिकित्सालय की 108 एम्बुलेंस थी। प्रभारी चिकित्सक द्वारा बताया गया कि एम्बुलेंस वाहन संख्या यू.के. 07-जी. ए. 3177 का ड्राईवर नहीं है। प्रभारी चिकित्साधिकारी ने सफाई कर्मचारी की कमी की समस्या से अवगत कराया। प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी अनुपस्थित कार्मिकों का वेतन रोकने व एम्बुलेंस, खुशियों की सवारियों के लिए वाहन चालक एवं अस्पताल के लिए सफाई कर्मचारी करने की आवश्यक कार्यवाही करने हेतु लिखा गया।

लोक निर्माण विभाग त्यूनी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सहायक अभियन्ता एवं कनिष्ठ अभियन्ता अनुपस्थित पाये गये। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया कि त्यूनी में तैनात अभियन्ताओं को ही क्षेत्र में उपस्थित रहने को निर्देशित करें। कनिष्ठ अभियन्ता उत्तराखण्ड जल संस्थान कार्यालय का निरीक्षण के दौरान नीलकंठ टेक्नोलॉजी आउट सोर्स से कम्प्यूटर ऑपरेटर व फीटर उपस्थित थे। कनिष्ठ अभियन्ता व वरिष्ठ फीटर निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाये गये। जल संस्थान कार्यालय पर उपस्थिति पंजिका, अवकाश पंजिका, भम्रण पंजिका का होना नहीं पाया गया है। कैश काउन्टर में कैश रजिस्टर पंजिका में माह जनवरी 2023 से कोई भी एन्ट्री होना नहीं पाया गया है। अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया कि अनुपस्थित अभियन्ता का वेतन रोकते हुए सभी रिकार्ड दुरूस्त करवाने की कार्यवाही करें।

सब स्टेशन 33/11 कार्यालय के निरीक्षण के समय सब स्टेशन ऑपरेटर कार्यालय में उपस्थित थे। उपस्थित कार्मिकों द्वारा बताया गया कि कार्यालय सब स्टेशन 33/11 का सब डिविजन कार्यालय चकराता में है। निरीक्षण के समय कनिष्ठ अभियन्ता अनुपस्थित पाये गये सब स्टेशन कार्यालय पर अवकाश पंजिका एवं भम्रण पंजिका का होना नहीं पाया गया है। उपस्थित सब स्टेशन ऑपरेटर द्वारा बताया गया कि दो कार्मिक सब स्टेशन ऑपेरटर की ड्यूटी रात्रि में है। वह आपस के ड्यूटी बदलते रहते हैं। कार्यालय में ड्यूटी निर्धारण किये जाने की पंजिका नहीं पायी गयी। अधिशासी अभियन्ता को अनुपस्थित कार्मिकों का वेतन रोकने की कार्यवाही करते हुए व्यवस्था सुधारने की आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

उद्यान एवं खाध्य प्रसंस्करण विभाग शाखा प्रभारी उद्यान सचल दल केन्द्र के निरीक्षण के समय उद्यान सहायक , माली (संविदा) उपस्थित पाये गये उद्यान सहायक द्वारा अवगत कराया गया कि प्रभारी उद्यान सचल दल केन्द्र व उद्यान सहायक तहसील दिवस हेतु तहसील में है। उद्यान केन्द्र में उपस्थित ग्रामीण निवासी ग्राम बागी त्यूनी द्वारा अवगत कराया गया कि उद्यान सचल केन्द्र में कीटनाशक दवाईयाँ उपलब्ध नहीं है, जिस हेतु ग्रमीणों को हिमाचल प्रदेश जाना पड़ता है, एंव उद्यान केन्द्र में कई बार आने पर उधान प्रभारी नहीं मिलते हैं। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि उद्यान केन्द्र में खराब दवाईयाँ आती है, और जो दवाईयाँ आती है, उनका कीट पर कोई असर नहीं होता है। मुख्य उद्यान अधिकारी देहरादून इस प्रकरण पर संज्ञान लेने के निर्देश दिए गए ।

चारधाम यात्रा पर आने वाले 55 साल से अधिक उम्र वालों को बीमारियों की जानकारी देना अनिवार्य

देहरादून। सरकार ने चारधाम यात्रा पर आने वाले 55 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए बीमारियों की जानकारी देना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर हेल्थ स्क्रीनिंग फार्म जारी किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बुधवार को चारधाम यात्रा के लिए स्वास्थ्य एडवायजरी जारी की गई। इस एडवायजरी के साथ ही एक हेल्थ स्क्रीनिंग फार्म भी जारी किया गया है। सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार ने बताया कि चारधाम यात्रा पर आने वाले 55 साल से अधिक उम्र के प्रत्येक यात्री को यह फार्म भरकर देना होगा। उन्होंने कहा कि जो लोग यात्रा के लिए ऑन लाइन पंजीकरण करा रहे हैं उनके लिए फार्म पर्यटन विभाग की साइट पर अपलोड किया गया है। इसके अलावा यात्री यात्रा के लिए राज्य में आने के बाद यात्रा रूट पर बनाए गए स्क्रीनिंग सेंटर में भी यह फार्म भरकर दे सकते हैं।

कम उम्र के बीमार यात्रियों के लिए भी अनिवार्य

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी एडवायजरी में कहा गया है कि 55 साल से अधिक उम्र के यात्रियों के लिए तो स्क्रीनिंग फार्म भरना अनिवार्य है ही। इसके अलावा 55 साल से कम उम्र के बीमार लोग भी इस फार्म को भरकर देंगे। साथ ही जो यात्री स्क्रीनिंग केंद्र पर विभाग के अधिकारियों को बीमार जैसे दिखाई देंगे उनसे भी यह फार्म भराए जाएंगे।

बर्सू गांव में वैज्ञानिक अध्ययन के बाद तलाशी जाएंगी विकास की संभावनाएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली। गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान की स्थानीय इकाई श्रीनगर गढ़वाल रीजनल सेंटर द्वारा ग्राम पंचायत के सहयोग से जिले के बर्सू गांव में एक गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीण परिदृश्य में हित धारकों के साथ चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल पर आजीविका संवर्धन हेतु परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान बर्सू गांव में वैज्ञानिक अध्ययन के बाद यहां के विकास की संभावनाओं को तराशा जाएगा। अगस्त्यमुनि ब्लॉक के बर्सू गांव में आयोजित कार्यशाला में गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान के निदेशक डॉ. सुनील नौटियाल ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। संस्थान के निदेशक डॉ सुनील नौटियाल ने कार्यशाला की रूपरेखा बताते हुए कहा कि चक्रीय व्यवस्था एवं सामाजिक आर्थिक पारिस्थितिकी का ग्रामीण परिवेश में काफी काफी प्रभाव रहता है।

इन सामंजस्य को हम मुख्यतः 4 भागों में विभाजित कर सकते हैं। प्रथम सामाजिक परिवर्तन, द्वितीय जलवायु परिवर्तन व तीसरा जैव विविधता है। इन सब का समेकित प्रभाव आर्थिक बदलाव में कैसे पड़ता है। निदेशक ने जलवायु लचीलापन अपनाने के विभिन्न माध्यमों की विस्तार से जानकारी दी। हिमालय की जैव विविधता को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक की जानकारी दी। औषधीय एवं सुगंधित पौधों के उत्पादन पर जोर दिया। साथ ही यहां के स्थानीय लोगों की आजीविका में वृद्धि को लेकर भी स्थानीय भूभाग का प्रबंधन उचित माध्यम से किए जाने पर जोर दिया। कहा कि संसाधनों के उचित एवं समेकित प्रबंधन से ही सतत विकास की अवधारणा को साकार किया जा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से स्थानीय प्रजातियों जिनमें धान एवं अन्य औषधीय पौधे के संरक्षण पर काम करने पर जोर दिया। निदेशक ने यह भरोसा दिया कि संस्थान की वैज्ञानिक एवं शोधार्थी तकनीकी ज्ञान एवं प्रशिक्षण से इस गांव को उत्तराखंड की पटल पर एक विकसित एवं आदर्श गांव के रूप में स्थापित करने में सहयोग प्रदान करेंगे। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जगदीश चंद्र कुनियाल ने बर्सू गांव को जलवायु स्मार्ट समुदायों को बढ़ावा देने वाले परियोजना में कार्य करने का भरोसा दिया। संस्थान के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि इस गांव के समेकित विकास के लिए तथा संसाधनों की उचित प्रबंधन के लिए जिससे गांव की चक्रीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो सके। आजीविका संवर्धन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इच्छा अनुरूप ग्रामीणों की आय दोगुनी होने को लेकर भी गांव में काम करने का भरोसा दिया। संस्थान के जैव विविधता एवं संरक्षण केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केंद्र अध्यक्ष डॉ. इंद्र दत्त भट्ट ने गांव में ग्रामीण तकनीकी परिसर के स्थापना का आश्वासन दिया। ग्रामीण तकनीकी परिसर के स्थापना से इस गांव के साथ साथ ही अन्य अन्य क्लस्टर समूह गांव को भी संस्थान के विभिन्न तकनीकी अन्वेषण का प्रदर्शन का लाभ मिलेगा। संस्थान में प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए उनका स्वागत किया। ग्राम प्रधान अनूप सेमवाल ने अतिथि स्वागत के साथ ही कार्यक्रम की सफलता पर ग्राम सभा की ओर से निदेशक एवं सभी वैज्ञानिकों के साथ ही ग्राम वासियों का आभार व्यक्त किया। महिला मंगल दल अध्यक्ष आशा सेमवाल ने भी महिला मंगल दल की ओर से निदेशक एवं समस्त वैज्ञानिकों का स्वागत किया। कार्यक्रम में बर्सू गांव में खेती का अनोखा उदाहरण प्रस्तुत कर रहे प्रगतिशील किसान विजय सेमवाल एवं उनकी पत्नी को जीवी पंत संस्थान द्वारा शॉल ओढक़र सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल एवं कुशल संचालन में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ चंद्रशेखर डॉक्टर शौकीन तरफदार, इंजीनियर महेंद्र लोधी, डॉ अरुण जुगरान, सुमित राय, डॉ एस रावत एवं अन्य सभी शोधार्थियों ने विचार रखे। इस मौके पर ग्राम प्रधान अनूप सेमवाल, प्रगतिशील किसान विजय सेमवाल, महिला मंडल अध्यक्ष आशा सेमवाल ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। साथ ही कार्यक्रम सफल कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इससे पहले निदेशक का ग्रामीणों की तरफ से गांव में आने पर ढोल दमाऊ के साथ भव्य स्वागत किया गया।

देहरादून के इस इलाके में अब नहीं होंगे नए निर्माण, पूरा क्षेत्र बनेगा चाय का बागान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 19 अप्रैल : देहरादून के लोगों के लिए एक बड़ी खबर है। अगर आप देहरादून के अंबीवाला क्षेत्र में नया घर, दुकान या मकान बनाने की सोच रहे हैं अपना फैसला बदल दीजिए। दरअसल हाल ही में मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने देहरादून मास्टर प्लान 2041 में ग्राम पंचायत अंबीवाला को चाय बागान क्षेत्र घोषित किया है। अब यहां कोई भी नया निर्माण अवैध माना जाएगा। हालांकि यहां पुराने निर्माणों से किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। आपको बता दें कि अंबीवाला क्षेत्र एक राजस्व ग्राम है जो कि चाय बागान से सटा हुआ है। जहां पहले खेती होती थी इसलिए राजस्व अभिलेखों में यह क्षेत्र कृषि क्षेत्र में दर्ज है।

अब हालात यह हो गए हैं कि इस पंचायत में सिर्फ 25 फ़ीसदी खेती बची है। यहां करीब 5000 की आबादी रहती है और कई तरह की व्यावसायिक गतिविधियां भी संचालित हो रही है। हाल ही में देहरादून मसूरी विकास प्राधिकरण ने ग्राम पंचायत को चाय बागान क्षेत्र घोषित किया। अब यहां हर तरह के निर्माण कार्य पर रोक लगेगी। उधर

चाय बागान क्षेत्र घोषित होने के बाद से यहां के निवासियों में खलबली मची हुई है। क्षेत्र के लोग लगातार इसके बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। यहां 5000 की आबादी के साथ ही स्कूल-कॉलेज और कई व्यावसायिक संस्थान भी मौजूद है। क्षेत्र वासियों का कहना है कि वह इस मामले में आपत्ति दर्ज कराएंगे।

सेहत की बात : फ्रिज का ठंडा पानी पीने की आदत है खतरनाक !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 अप्रैल , सावधान , अगर आप पसीना पोछते हुए ठन्डे पानी को गटकने जा रहे हैं तो पहले ये खबर पढ़ लीजिये , क्योंकि फिलहाल भले ही ठंडा पानी आपको राहत का एहसास कराता हो लेकिन इसके नुक्सान भी ज्यादा है। कड़ी धुप से आने के बाद तुरंत फ्रिज का ठंडा पानी पीना कुछ देर तक हमें राहत तो देता है लेकिन उससे हमारी सेहत बिगाड़ सकती है । अगर आप भी ऐसा ही करते है तो सावधान रहिये । क्योंकी फ्रिज में रखा हुआ पानी नैसर्गिक तरीके से नहीं बल्कि कृत्रिम तरीके से ठंडा किया जाता है । इसीलिए यह पानी आपके बीमार होने की वजह बन सकता है।

गर्मियां आते ही लोग साधारण पानी की जगह फ्रिज में रखा पानी पीना पसंद करते हैं। ये पानी झट से प्यास तो बुझा देता है साथ ही गले को तरोताजा कर देता है। यहां तक कि कई बार लोग बाहर से आते ही फ्रिज खोलते हैं और गटागट पानी को गले से नीचे उतारने लगते हैं। अगर आप भी यही गलती कर रहे हैं तो सावधान हो जाइए। ऐसा इसलिए क्योंकि भले ही फ्रिज का ठंडा पानी आपके गले और दिमाग को ठंडक दे रहा हो लेकिन सेहत के लिए बहुत हानिकारक होता है। जानिए फ्रिज का ठंडा पानी सेहत के लिए क्यों नुकसानदायक है।

पानी का सामान्य से बहुत कम तापमान पर होना

फ्रिज का ठंडा पानी सामान्य से बहुत कम तापमान पर होता है। इस वजह ये सेहत को ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। इसलिए अगर आप फ्रिज से ठंडा पानी निकालकर तुरंत पी रहे हैं तो ध्यान रखें, ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

सिकुड़ सकती हैं आंते

फ्रिज का ठंडा पानी पीने से आंत सिकुड़ सकती हैं। ऐसा होने पर खाना सही तरह से पच नहीं पाएगा जिससे अनेकों तरह की सेहत संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इन समस्याओं में ठीक से पेट का साफ न होना आम परेशानी है। इसलिए बेहद ठंडा पानी पीने से बचें।

मेटाबॉलिज्म पर पड़ता है असर

ठंडे पानी की वजह से शारीरिक तंत्रों में सिकुड़न आ जाती है। अगर कोशिकाओं में सिकुड़न बार-बार होती है तो इसका सीधा असर मेटाबॉलिज्म पर पड़ता है। ऐसा होने पर दिल की धड़कनें भी प्रभावित हो सकती हैं।

गला हो सकता है खराब

बार-बार ठंडा पानी पीने से गले को ठंडक तो मिलती है लेकिन इससे गला खराब भी हो सकता है। जिससे बोलने में भी समस्या हो सकती है।

हो सकते हैं टॉन्सिल्स

ठंडे पानी के कारण टॉन्सिल्स भी हो सकते हैं। इसलिए बहुत ज्यादा ठंडे पानी का सेवन न करें।

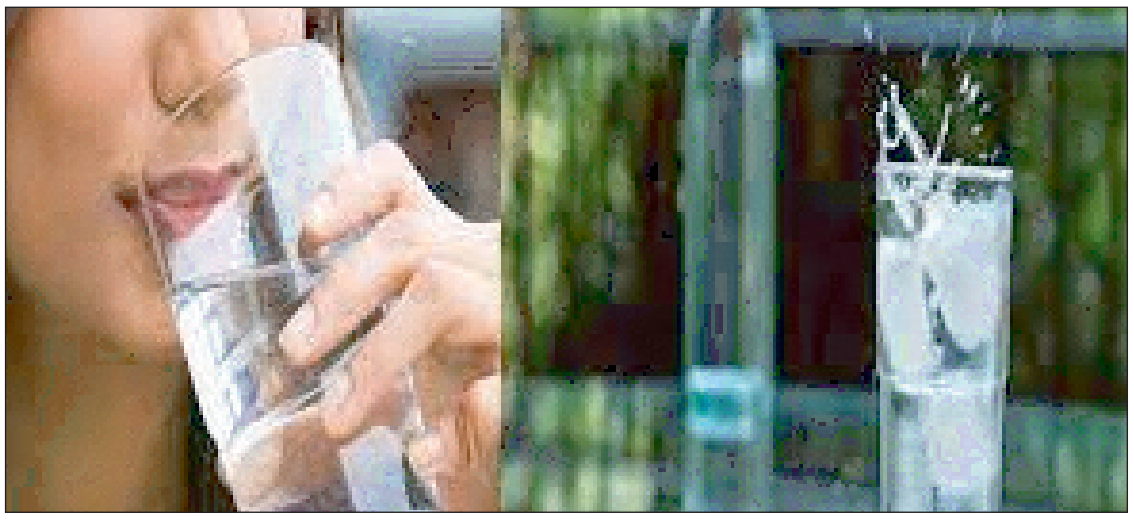

30 की उम्र के बाद इन चीजों को चेहरे से रखें दूर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जानकारी 20 अप्रैल : बढ़ती उम्र के साथ-साथ हमारी स्किन में भी तेजी से बदलाव सामने आने लगता है। यही वजह है कि हमारे चेहरे से उम्र झलकने लगती है। जिसे छिपाने के लिए लोग कई तरह की एंटी एजिंग क्रीम और ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करते हैं। ये बदलाव आज के समय में काफी तेजी से हो रहा है, क्योंकि अब लोगों की लाइफस्टाइल काफी व्यस्त हो गई है। किसी के पास खुद की केयर करने का वक्त ही नहीं बचा। ऐसे में स्किन से जुड़ी परेशानियों का सामने आना लाजमी है।

अगर आप चाहें तो बिना पैसे खर्च किए अपनी स्किन का ध्यान रखकर भी बढ़ती उम्र में जवां दिख सकते हैं। जी हां, अगर आप चाहते हैं तो तीस उम्र के बाद फाइन लाइन, पिगमेंटेशन, अंडर आई डार्क सर्कल जैसी परेशानियां आपसे दूर रहें तो आपको कुछ चीजों से दूरी बनानी पड़ेगी। ऐसा अक्सर देखा जाता है कि लोग अपनी उम्र छिपाने के लिए कई ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करते हैं, जिसका असर उल्टा होने लगता है। तो आईए आपको बताते हैं कि आपको तीस की उम्र के बाद किन चीजों से दूर रहना चाहिए।

ब्लीच से वैसे भी स्किन के जुड़ी कई परेशानियां सामने आने लगती हैं। ऐसे में अगर आप 30 की उम्र बीतने के बाद भी ब्लीच लगातार कराती रहेंगी तो आपकी त्वचा की इलास्टिसिटी कमजोर हो जाएगी। जिसकी वजह से चेहरे की झुर्रियां बढ़ जाती हैं। तो हो सके तो ब्लीच से दूर रहें। सभी लोग अपने चेहरे से मेकअप हटाने के लिए वाइप्स का इस्तेमाल करते हैं। पर, ऐसा कहा जाता है कि वाइप्स हमारे चेहरे की स्किन को ढीला कर देती है। ऐसे में अगर आप मेकअप हटाना चाहते हैं तो नारियल के तेल का इस्तेमाल करें।

इसका पूरा नाम क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइश्चराइजिंग है। बढ़ती उम्र में जवां दिखने के लिए आप इसका ध्यान जरूर रखें। अगर आप इसे स्किप करेंगे तो इससे आपकी त्वचा डल हो जाएगी। ऐसे में इसे अपने रूटीन में लाने का प्रयास करें। गर्मियों के मौसम में जिस सनस्क्रीन का इस्तेमाल आप कर रहें हैं उसके एसपीएफ का खास ध्यान रखें। ऐसा कहा जाता है कि, बढ़ती उम्र के साथ एसपीएफ का नंबर भी बदलता है। अगर सनस्क्रीन आपके उम्र के हिसाब से नहीं है तो इससे दूरी बनाएं।

एसएसपी नैनीताल ने हल्द्वानी में क्राइम मीटिंग कर दिए कड़े निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 20 अप्रैल : पंकज भट्ट, एसएसपी नैनीताल द्वारा हल्द्वानी मीटिंग हॉल में नैनीताल पुलिस के सभी प्रभारी अधिकारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में दिशा निर्देश दिए गए मीटिंग से पूर्व कर्मचारियों का सम्मेलन लिया गया। किसी भी अधिकारी/कर्मी की कोई समस्या नहीं पाई गई। न्यायालयों से संबंधित प्रक्रिया एवम् मामलों विशेषकर सम्मन, एलबीडब्ल्यू, नोटिस की तामिली की स्थिति ठीक करें, सभी थाना प्रभारी इस ओर गंभीरता से ध्यान दें। लापरवाही करने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। थाना, पुलिस लाइन व कार्यालयों परिसरों विशेषकर बैरकों व शौचालयों का मॉडर्नाइजेशन का कार्य के लिए प्रस्ताव बनाकर जिला मुख्यालय को भेजें। साफ सफाई का विशेष ध्यान दें। सप्ताह में एक बार पौष्टिक आहार में मोटे अनाज से निर्मित भोजन अवश्य बनाया जाय।

शिकायती प्रार्थना पत्रों से संबंधित जांच आख्या तथा कार्यवाही की प्रगति ऑनलाइन माध्यम से सीसीटीएनएस पोर्टल से ही पुलिस मुख्यालय तथा रेंज कार्यालय को उपलब्ध कराएं। गुमशुदाओं के बरामदगी की स्थिति कम है, सभी थाना प्रभारी गुमशुदाओ की शत प्रतिशत बरामदगी कराएं। जनपद में अज्ञात शवों की शिनाख्त कराई जाय। थानों के डेटाबेस का मिलान जिला मुख्यालय के कार्यालय से भी कराएं। लंबित विवेचनाओं विशेषकर धोखाधड़ी की विवेचनाओं का तत्काल निस्तारण करें। नकबजनी और चोरी के मामलों में बरामदगी का प्रतिशत कम है। शत प्रतिशत बरामदगी कराएं। सड़क दुर्घटनाओं में अंकुश लगाने के लिए लगातार चेकिंग अभियान जारी रखें । जनता विशेषकर नाबालिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें। गैंगस्टर और गुंडा अधिनियम में अधिक से अधिक कार्यवाही करें। आदतन और पेशेवर अपराधियों का चिन्हीकरण करें। आगामी ईद पर्व को सकुशल आयोजन के लिए थानों में सीएलजी की बैठक का आयोजन कराया जाय।

वीकेंड में यातायात व्यवस्था सुचारू करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात करें। एंट्री पॉइंट्स पर वाहनों की लगातार चेकिंग करें। अधिक सवारी वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करें। आवश्यकतानुसार ट्रैफिक डायवर्जन लागू करें। एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अधिक से अधिक कार्यवाही करें। माननीय न्यायालयों तथा संहिता में निहित प्रावधानों और निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करें। वांछित/इनामी अपराधियों की कुशल रणनीति बनाकर टीमें गठित कर गिरफ्तारी सुनिश्चित करें।

43 लाख की खुशिया SSP हरिद्वार अजय सिंह को बड़ी कामयाबी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 20 अप्रैल : हरिद्वार पुलिस की कोशिश फिर रही सफल, खुशी से गुलजार हुए कई चेहरे पुलिस टीम ने बरामद किए विभिन्न कंपनी के 252 मोबाइल फोन बरामद किए गए मोबाइल फोनों की बाजार कीमत करीब 43 लाख रुपए है , बीते 06 माह में 01 करोड़ से ज्यादा कीमत के मोबाइल किए गए हैं बरामदमौजूदा दौर में मोबाइल एक महत्वपूर्ण गैजेट है जिसका समय से मिल जाना राहत देता है। मुझे खुशी है कि इस दिशा में हमारी टीम बेहतर काम कर रही है" एसएसपी हरिद्वार विगत तीन माह में जनपद के विभिन्न थानों में आमजन के खोए मोबाईल फोन के सम्बन्ध में प्राप्त शिकायतों पर बड़ी कार्यवाही करते हुए उक्त मोबाइल फोनों को रिकवर करने के लिए एसएसपी अजय सिंह द्वारा दिए गए निर्देश पर अक्षरशः खरा उतरते हुए हरिद्वार पुलिस ने बड़ी

सफलता हासिल करी और इस अवधि में खोए करीब 252 मोबाइल फोन बरामद किए। अपने खोये मोबाईल फोन वापस मिलने की उम्मीद छोड़ चुके पीड़ितों के चेहरों पर मुस्कान लाते हुए हरिद्वार पुलिस ने करीब 4300000/ के मोबाइल फ़ोन बरामद किए। अथक प्रयासों से भारत के विभिन्न राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित कर जनवरी 2023 से अप्रैल 2023 तक खोए हुए 252 मोबाइल फ़ोन बरामद करने में सफल रही साइबर क्राईम सेल टीम ने विगत 06 माह में 01 करोड़ 06 लाख कीमत के कुल 637 मोबाइल फोन बरामद कर सकुशल मोबाइल स्वामियों को लौटाए जा चुके हैं।

हरिद्वार पुलिस की सभी पाठकों से अपील

कृपया कोई भी लावारिस फोन मिलने पर लालच से बचें और मोबाइल को तत्काल नजदीकी थाने/पुलिस चौकी में जमा करायें। ऐसा करने से आपकी छवि में सुधार के साथ-साथ आप संभाव्य अपराध से भी बचेंगे।

कुलपति प्रो0 मनमोहन चौहान और विभागाध्यक्ष कंप्यूटर साइंस डॉ0 एस डी सामंतराय ने की राज्यपाल से मुलाकात

गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि, पंतनगर

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से बुधवार को राजभवन में गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर के कुलपति प्रो0 मनमोहन चौहान और विभागाध्यक्ष कंप्यूटर साइंस डॉ0 एस डी सामंतराय ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को पंतनगर विश्वविद्यालय में भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय के सहयोग से इंडस्ट्री 4.0 एक्सपीरियंस सेंटर स्थापित किये जाने के विषय में जानकारी दी। इंडस्ट्री 4.0, विनिर्माण क्षेत्र के डिजिटलीकरण का अगला चरण है। विनिर्माण और इसी तरह के उद्योगों और मूल्य-निर्माण प्रक्रियाओं के डिजिटल परिवर्तन को उद्योग 4.0 के रूप में जाना जाता है।

कुलपति ने बताया कि सेंटर स्थापना से तकनीकी के माध्यम से इंडस्ट्री 4.0 के बारे में जानकारी प्राप्त हो सकेगी। इसके अलावा यह सेंटर विद्यार्थियों के कौशल विकास और उनकी उद्यमशीलता में सहयोग करेगा। सेंटर उद्योगों में कार्यरत मानव शक्ति के प्रशिक्षण में भी मददगार होगा साथ ही यह सेंटर उत्तराखण्ड के लिए सेंटर ऑफ एक्सलेंस के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि इस सेंटर का उद्देश्य उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पद्र्धा में लाने, तकनीक आधारित ज्ञान में बढ़ोत्तरी किए जाने और उद्योगों और अकादमिक भागीदारी का बढ़ावा दिया जाना है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी क्षेत्र के प्रसार को देखते हुए इंडस्ट्री 4.0 एक्सपीरियंस सेंटर एक बड़ी जरूरत है। इसके लिए विश्वविद्यालय सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए सेंटर की स्थापना के लिए कार्यवाही करे। उन्होंने इस दौरान कहा कि तकनीकी के सहयोग से हम अपने कार्यों को सुगम और सरल बनाने के साथ ही गुणवत्ता में भी बढ़ोतरी होगी। इससे उद्योग जगत, के साथ-साथ विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा और उनके कौशल विकास में लाभप्रद होगा।

भारत बना दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश : UN

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 अप्रैल , भारत अब दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन गया है. संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट (UN Population Report) में हिंदुस्तान ने इस मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है. एक साल में भारत की जनसंख्या 1.56 फीसदी तक बढ़ गई है. रिपोर्ट के अनुसार अब भारत की आबादी 142.86 करोड़ हो गई है जबकि 142.57 करोड़ के साथ चीन दूसरे नंबर पर खिसक गया है. यूएन की रिपोर्ट के अनुसार एक साल में भारत की जनसंख्या 1.56 फीसदी बढ़ी है.

इस रिपोर्ट में बताया गया कि भारत की कुल प्रजनन दर 2.0 है. यहां एक एक भारतीय पुरुष के लिए औसत जीवन 71 साल है महिलाओं का 74 साल है. ये रिपोर्ट 1978 से प्रकाशित हो रही है. UNFPA इंडिया के प्रतिनिध ने कहा कि अब दुनिया की आबादी 8 अरब हो गई है. हम भारत के 1.4 अरब लोगों को 1.4 मौकों के रूप में देखेंगे. उन्होंने कहा कि भारत एक शक्तिशाली देश है. शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता और आर्थिक विकास के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है. हम तकनीकी मामले में हर रोज नए-नए रिकॉर्ड्स बना रहे हैं.

भारत में सबसे ज्यादा युवा आबादी

इस रिपोर्ट में एक और खुश होने वाली ये है कि भारत की 25 फीसदी आयु 0-14 साल के है. इसके बाद 10-19 साल तक के 18 फीसदी लोग हैं. 10-24 साल तक के लोगों की तादाद 26 फीसदी है. लेकिन भारत में 15-64 साल के बीच लगभग 68 परसेंट है. यानी भारत में युवाओं की सबसे ज्यादा तादाद है. चीन में हालाल खराब हो गए हैं. यहां पर 20 करोड़ लोग तो 65 साल से अधिक है.

चीन की बूढ़ी आबादी

चीन अपनी बूढ़ी आबादी से परेशान हो चुका है. वहां पर जनसंख्या बढ़ाने के लिए सरकार हर रोज नए-नए प्रलोभन दिए जा रहे हैं. लेकिन फिर भी यहां पर लोग एक बच्चे से ज्यादा पैदा नहीं कर रहा. अब तो यहां अविवाहित भी बच्चा पैदा कर सकते हैं, उसको वो सारी सुविधाएं मिलेंगी जो एक शादी-शुदा कपल के बच्चे को मिलती है. चीन के एक कॉलेज ने तो ऐसे कपल जो रिलेशनशिप में उनको एक हफ्ते की हनीमून छुट्टी तक दी है. ताकि वो अकेले में समय बिता पाएं और इससे आबादी बढ़ेगी. चीन की लगभग 40 फीसदी आबादी 60 साल के ऊपर की हो गई है. यहां पर एक वक्त पर जनसंख्या काबू करने के लिए नियम बना दिए थे.

छुटमलपुर : ईद को लेकर बाजार हुआ गुलजार, तेज हुई खरीदारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

छुटमलपुर 20 अप्रैल : माहे रमजान के अंतिम दौर में ईद का उल्लास दिखने लगा है। कपड़े और सौंदर्य सामग्री के अलावा और भी चीजों की खरीदारी बढ़ गई है। बड़ी संख्या में खरीदारों के पहुंचने से बाजारों में रौनक बढ़ गई है। कपड़ों और जूते से संबंधित कई सामग्रियों के दाम में विगत वर्ष की तुलना में औसतन 15 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है लेकिन, दुकानदारों के अनुसार इसका खरीदारी पर किसी भी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ रहा है। चांद निकलने के आधार पर 22 या फिर 23 अप्रैल को ईद मनाया जाएगा। इसे लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। लगभग पूरे दिन बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। इस बार पाकिस्तानी व नायरा सूट की और कोलपुरी जूती की खरीदारी महिलाएं

जहां बढ़-चढ़कर कर रही हैं तो वहीं कढ़े हुए गरारा व शरारा की भी अधिक मांग है। छुटमलपुर के मुस्लिम कॉलोनी में दुकानदार सरहान मलिक ने बताया कि सेंडिल जूते व सूट जहां दो हजार से चार हजार में बिक रहा है. गर्मी को देखते हुए चिकन और सिल्क के भी सूट की खरीदारी महिलाएं कर रही हैं। रेडीमेड कपड़ा दुकानदार नदीम ने बताया कि कुर्ता की खरीदारी युवक बढ़-चढ़कर कर रहे हैं।

कोलकाता, दिल्ली व लखनऊ के कुर्ते की मांग और पसंद अधिक हैं। कपड़ों के दाम में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है लेकिन, इसका खरीदारी पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। कुर्ता-पाजामा एक हजार से लेकर पांच हजार तक के हैं। जैसे-जैसे ईद का समय नजदीक आता जा रहा है तो सभी वर्ग के लोग मनपसंद कपड़े खरीदने के लिए पहुंच रहे हैं। हालांकि सभी की अपनी-अपनी पसंद हैं। लेकिन महिलाएं और युवती नायरा और पाकिस्तानी शूट पसंद कर रही हैं, तो युवा लखनऊ और दिल्ली के कुर्तों की खरीदारी कर रहे हैं। तमाम लोग कपड़े जूते की खरीद कर भी अपनी पसंद की डिजाइन करा रहे हैं।

संपादकीय

वास्तविक मजदूरी ठहराव की शिकार है

आज कल 'बेरोजगारी' के अनुपयोगी आंकड़ों पर अंतहीन चर्चाएं होती हैं. ये आंकड़े गरीब लोगों के काम के नहीं होते. भारत में गरीब लोग शायद ही बेरोजगार हैं क्योंकि वे कुछ कमायेंगे नहीं, तो खायेंगे क्या? अगर उन्हें रोजगार नहीं मिलता, तो वे जीविका चलाने के लिए छोटे-मोटे काम करते हैं, जैसे अंडे बेचना या रिक्शा चलाना. पारिवारिक सर्वेक्षणों में इन्हें बेरोजगार की श्रेणी में नहीं गिना जाता. दूसरी तरफ, वास्तविक मजदूरी बड़ी सूचनाप्रद होती है. अगर वास्तविक मजदूरी बढ़े, तो संभावना यही है कि कामगारों की आमदनी बढ़ेगी और उनका रहन-सहन बेहतर होगा. वहीं वास्तविक मजदूरी में ठहराव आ जाये, तो गरीबी में कमी लाने के लिहाज से यह चिंता का विषय है. वास्तविक मजदूरी की वृद्धि आर्थिक दशा का सबसे महत्वपूर्ण सूचकांक है, पर यही सबसे ज्यादा उपेक्षित भी है. मिसाल के लिए, नये आर्थिक सर्वेक्षण के 200 पृष्ठों के सांख्यिकीय परिशिष्ट में कहीं भी वास्तविक मजदूरी का जिक्र नहीं है. वित्त मंत्री के बजट भाषण में भी वास्तविक मजदूरी का कहीं जिक्र नहीं. आर्थिक नीतियों पर सार्वजनिक बहसों में भी इस मुद्दे पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है. वास्तविक मजदूरी का मापन मुश्किल नहीं है. मिसाल के लिए कृषिगत श्रम को लें. भारत के ज्यादातर गांवों में दिहाड़ी पर काम करने वाले खेतिहर मजदूरों के लिए हर समय एक तयशुदा मजदूरी होती है. इसे जानने के लिए घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने की जरूरत नहीं, गांव में थोड़ी सी पूछताछ से पता चल जाता है. अगर ऐसा कई इलाकों में नियमित अंतराल पर किया जाये, तो हमें इस बात का ठीक-ठाक पता चल जायेगा कि वास्तविक मजदूरी के साथ क्या घट-बढ़ चल रही है. भारत सरकार का लेबर ब्यूरो कई सालों से इस किस्म के काम करता आया है. ब्यूरो हर माह देश के सभी राज्यों से पेशेवर मजदूरी के आंकड़े एकत्र करता है और इंडियन लेबर जर्नल में इनका सार-संग्रह प्रकाशित करता है. इन सूचनाओं की गुणवत्ता पक्की नहीं, लेकिन वास्तविक मजदूरी के क्षेत्र के व्यापक रुझानों को जानने के लिहाज से ये आंकड़े पर्याप्त हैं. इस काम को भारतीय रिजर्व बैंक ने ज्यादा आसान बना दिया है. बैंक ने अपने हैंडबुक ऑफ स्टैटिस्टिक्स ऑन इंडियन स्टेटस के नये अंक में लेबर ब्यूरो के 2014-15 से 2021-22 तक के आंकड़ों के सहारे सालाना मजदूरी के अनुमान पेश किये हैं.

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

सावधान आपने तो नहीं खरीदा जहरीला पनीर ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 20 अप्रैल : देहरादून में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने अलग-अलग जगहों पर 400 किलो नकली पनीर पकड़ा। पनीर को रिफाइंड तेल और आरारोट आदि मिलाकर बनाया गया था। नगर निगम की मदद से नकली पनीर को ट्रंचिंग ग्राउंड में ले जाकर नष्ट कर दिया गया। बता दें कि चारधाम यात्रा के दौरान मिलावटी खाद्य पदार्थों की सप्लाई की शिकायत अक्सर सामने आती रहीं हैं। इसे देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और आयुक्त डॉ. आर राजेश कुमार ने अधिकारियों को चारधाम यात्रा मार्ग पर खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। अभियान के तहत एफडीए की टीम ने अलग-अलग जगहों पर दुग्ध उत्पादों की जांच की। टीम ने धर्मपुर-डांडा स्थित एक स्टोर में छापा मारा, जहां डीप फ्रीजर में दो कुंतल पनीर रखा हुआ था। यह पनीर नकली था और देहरादून व मसूरी के होटलों में भेजा जाना था।

वहीं छह नंबर पुलिया पर भी अफजल और पिंकू नाम के दो लोग पकड़े गए, इनके पास से भी दो कुंतल नकली पनीर मिला, जिसे ये लोग वैन में लेकर आ रहे थे। इसके अलावा पनीर, मावा व मसाला के आठ सैंपल एकत्र कर गुणवत्ता जांच के लिए रुद्रपुर स्थित लैब भेजे गए हैं। मिलावटी पनीर रामपुर मनिहारान, सहारनपुर से लाया जा रहा था। आपको बता दें कि बीते साल अप्रैल में भी नेहरू कॉलोनी में एक मिल्क वैन से 500 किलो मिलावटी पनीर पकड़ा गया था। यह भी रामपुर मनिहारान से लाया गया था। पिछले दो साल में दून में जब भी मिलावटी पनीर की बड़ी खेप पकड़ी गई, इसका सप्लायर एक ही रहा है। सप्लाई रामपुर मनिहारान से की जा रही है। दून में मिलावटी पनीर बेचने वाले एजेंट सक्रिय हैं, जो कि कमरे किराये पर लेकर वहां डीप फ्रीजर में पनीर स्टोर करते हैं। पनीर की खेप होटलों और रेस्टोरेंट्स में भेजी जाती है। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि लैब से जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित व्यापारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान आगे भी जारी रहेगा।

स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने चारधाम यात्रियों के लिए जारी की SOP

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 अप्रैल , चारधाम यात्रा में समस्त तीर्थ स्थल उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित है, जिनकी ऊंचाई समुद्र तल से 2700 मी० से भी अधिक है उन स्थानों में यात्रीगण अत्यधिक ठण्ड कम आर्द्रता अत्यधिक अल्ट्रा बॉइलेट रेखिएशन कम हवा का दबाव और कम ऑक्सीजन की मात्रा से प्रभावित हो सकते है अतः सभी तीर्थ यात्रियों सुगम एवं सुरक्षित यात्रा हेतु स्वास्थ्य सम्बन्धित दिशा निर्देश पत्र के साथ संलग्न कर इस आशय के साथ प्रेषित किये जा रहे हैं कि यात्रा से पूर्व तथा यात्रा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों का यात्रियों के मध्य बृहद रूप से प्रचार-प्रसार किया जा सके।

ये दिशा निर्देश पर्यटन विभाग की वेबसाइट https://uttarakhand-tourism.gov.in. https://cngis-trationandtouristcare.gov.in एवं स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट https://health.uk.gov.in से भी डाउनलोड किया जा सकते हैं। सभी डीएम को स्वास्थ्य सचिव दफ्तर ने दिशानिर्देश से सम्बन्धित आई०ई०सी० प्रोटोटाइप पत्र के साथ संलग्न कर भेजा है जिसे विभिन्न माध्यम से जनजागरूकता हेतु प्रयोग किया जा सकता है। यात्रा के दौरान यात्रीगणों को कोविड एप्रोप्रिपेट बिहेवियर का अनुपालन किये जाने हेतु प्रोत्साहित एवं जागरूक किया जाये।

अगर आप अधिक जानकारी लेना चाहते हैं तो टोल फ्री हेल्पलाइन नम्बर 104 पर कॉल किया जा सकता है तथा यात्रीगणों की सुविधा हेतु इस नम्बर का वृहद रूप से प्रचार-प्रसार किया जाना है।

स्वास्थ्य सम्बन्धित दिशा निर्देश - यात्रा से पूर्व -

योजना बनाना, तैयारी करना, पैक करना रोकथाम पर ध्यान देने से आप अपनी यात्रा के दौरान सुरक्षित रह सकते हैं। कृपया अपनी यात्रा से पहले चिकित्सा और ट्रेक की तैयारी सुनिश्चित करें। उच्च ऊंचाई बीमारी का कारण बन सकती है इसके लिए योजना बनाना, तैयारी करना और पैक करना महत्वपूर्ण है।

योजना बनाना:

अपनी यात्रा की योजना कम से कम 7 दिनों के लिए बनाएं वातावरण के अनुरूप अनुकूलन के लिए समय दें ▪ अनेक ब्रेक की योजना बनाएं ट्रेक के हर एक घंटे बाद या ऑटोमोबाइल चढ़ाई के हर 2 घंटे बाद 5-10 मिनट का ब्रेक लें

तैयारी करना:

रोजाना 5-10 मिनट के लिए श्वास व्यायाम का अभ्यास करें रोजाना 20-30 मिनट टहलें , यदि यात्री की आयु 55 वर्ष है या वह हृदय रोग, अस्थमा, उच्च रक्तचाप, या मधुमेह से ग्रस्त है, तो यात्रा के लिए फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य जांच करवाएं

पैक करना:

गर्म कपड़े ऊनी स्वेटर, धर्मल, पफर जैकेट, दस्ताने, मोजे बारिश से बचाव के यंत्र रेनकोट, छाता स्वास्थ्य जांच उपकरण पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर पहले से मौजूद स्थितियों (हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, मधुमेह) वाले यात्रियों के लिए- सभी जरूरी दवा, परीक्षण उपकरणों और अपने घर के चिकित्सक का संपर्क नंबर ले जाएं। कृपया अपनी यात्रा से पहले मौसम रिपोर्ट की जांच करें और सुनिश्चित करें कि आपके पास ठंडे तापमान में प्रबंधन करने के लिए पर्याप्त गर्म कपड़े हैं। अगर आपके डॉक्टर यात्रा न करने की सलाह देते हैं, तो कृपया यात्रा न करेंस्वस्थ सतर्क सफल यात्रा अपनी सुविधा के लिए यात्रा मार्ग के साथ स्वास्थ्य विभाग द्वारा रखे गए संचार को देखें, और सभी दिशा निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करें। यात्रियों की सेवा के लिए नियोजित निकटतम चिकित्सा इकाई के मानचित्र का संदर्भ लें: चिकित्सा राहत केंद्र , प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जिला अस्पताल , उत्तराखंड चिकित्सा इकाई की पहचान करने के लिए इमारतों पर स्पष्ट नाम बोर्ड देखें।

यदि आप या आपके परिवार के किसी भी सदस्य को इन दिए गए लक्षणों में से कोई भी महसूस हो रहा है, तो कृपया तुरंत निकटतम चिकित्सा इकाई पर पहुंचें त्वरित जांच आपके जीवन को बचा सकती है। सीने में दर्द , सांस की तकलीफ (बात करने में कठिनाई) , लगातार खांसी , चक्कर आना / भटकाव (चलने में कठिनाई) , उल्टी बर्फीली / ठंडी त्वचा , शरीर के एक तरफ कमजोरी / सुन्नता , उच्च ऊंचाई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। एक मिनट की सावधानी आपका जीवन बचा सकती है।

इन यात्रियों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए: 55 वर्ष की आयु वाले यात्री , गर्भवती महिलाएं हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, और मधुमेह के इतिहास वाले यात्री अधिक मोटापे से ग्रस्त (>30 बी. एम.आई) हम आपकी सेवा में उपलब्ध है किसी भी असुविधा के मामले में हमारे स्वास्थ्य स्क्रीनिंग केंद्रों अथवा चिकित्सा इकाइयों पर संपर्क करें और अपने स्वास्थ्य की जांच करवाएं।इसके अतिरिक्त कोई भी स्वास्थ्य सम्बंधित आपातकालीन घटना होने पर कृपया हमसे 104 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। यात्रा के दौरान शराब कैफीनयुक्त ड्रिंक्स, नींद की गोलियां और मजबूत / शक्तिशाली दर्द निवारक दवाओं का सेवन न करें. धूम्रपान से भी बचें। यात्रा के दौरान कम से कम 2 लीटर तरल पदार्थ पीए और भरपूर पौष्टिक आहार लें।

वेतन भुगतान में हो रही देरी पर परिषद नाराज, जल्द भुगतान को दबाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने मार्च महीने के वेतन का अभी तक भुगतान न होने पर नाराजगी जताई। शासन स्तर से समय पर बजट जारी न होने पर सवाल उठाए। जल्द वेतन भुगतान को दबाव बनाया। परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अरूण पांडे ने बताया कि राज्य के कई विभागों में अभी तक मार्च महीने के वेतन का भुगतान नहीं हुआ है। जबिक अप्रैल के महीने में कर्मचारियों पर सबसे अधिक वित्तीय भार रहता है। बच्चों की स्कूल फीस, एडमिशन, ड्रेस, कॉपी किताब खरीदने का अतिरिक्त दबाव रहता है। इसी के साथ अप्रैल में ही इंश्योरेंस समेत कई अन्य प्रकार के दबाव भी रहते हैं। पहले शासन के वित्त विभाग के स्तर से कोषागार को निर्देश जारी किए जाते थे। इसके तहत बजट की प्रत्याशा में मार्च महीने के वेतन का भुगतान किया जाता था। इसका समायोजन वित्तीय वर्ष के बजट से कर लिया जाता था। नई व्यवस्था के तहत वित्त विभाग शासन के सभी प्रशासकीय विभागों के सचिव को बजट आवंटन कर देता है। इसके बाद अपने अधीनस्थ विभागों को सचिव स्तर से बजट आवंटन किया जाता है। इसी के बाद वेतन जारी हो पा रहा है। परिषद को शासन स्तर पर बताया जा रहा है कि विभागों के वित्तीय वर्ष का लेखा जोखा शासन स्तर पर समय पर प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसके कारण विभागों को बजट आवंटन में देरी हो रही है। इसके कारण कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पा रहा है। परिषद ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से प्रदेश के कर्मचारियों को जल्द वेतन भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की।

वेतन विसंगतियों के निस्तारण न होने पर जताई नाराजगी

परिषद ने वेतन विसंगतियों के निस्तारण को गठित समिति के सुझावों पर कोई कार्यवाही न होने पर नाराजगी जताई। अध्यक्ष अरुण पांडे ने कहा कि वित्तीय हस्तपुस्तिका में संशोधन, कामन सेवा नियमावली बनाने, विभागीय ढाचों के पुनर्गठन पर सुझाव दिए गए। इन सुझावों पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। न ही इन रिपोर्ट को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। बेवजह समय खपाया जा रहा है।

पीसीसीएफ विनोद सिंघल फिर बने वन विभाग के मुखिया

देहरादून। विनोद सिंघल ने बुधवार को पीसीसीएफ हॉफ का पदभार ग्रहण कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन्हें पीसीसीएफ हॉफ बनाने के आदेश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने पीसीसीएफ राजीव भरतरी को विभागीय मुखिया बनाने वाले हाईकोर्ट के तीन अप्रैल के आदेश पर रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट ने तीन अप्रैल को आदेश किए थे कि पीसीसीएफ राजीव भरतरी को चार अप्रैल को सुबह दस बजे तक विभागीय मुखिया का चार्ज दिया जाए। इसके बाद चार अप्रैल को दोपहर में शासन ने भरतरी को विभागीय मुखिया यानी हॉफ बनाने के आदेश किए और उन्होंने चार्ज भी ले लिया। इसके बाद पीसीसीएफ विनोद सिंघल पांच अप्रैल को विशेष याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, जहां बीते सोमवार को सुनवाई के बाद कोर्ट ने उन्हें बड़ी राहत देते हुए हाईकोर्ट के तीन अप्रैल के आदेश व उसके अनुपालन पर रोक लगा दी। इससे पीसीसीएफ विनोद सिंघल को रिटायर होने से 13 दिन पहले सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई। मामले में सिंघल ने केवल भरतरी को पार्टी बनाया था, उन्होंने सरकार पर किसी तरह के आरोप नहीं लगाए थे। उनके पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद अब शासन ने बुधवार को सिंघल को विभागीय मुखिया के रूप में दोबारा तैनाती के आदेश दिए।

नगरपालिका में पिछड़ा वर्ग सर्वेक्षण को हुई जन सुनवाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़। शहरी निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग के सर्वेक्षण को जनसुनवाई हुई। लोगों ने एकल सदस्यी समर्पित आयोग के समक्ष अपनी बात रखी। वक्ताओं ने कहा कि वोटरों की संख्यानुसार ही सीट आरक्षित की जाए। बुधवार को नगर के नगरपालिका सभागार में एकल सदस्यी समर्पित आयोग की अध्यक्ष उच्च न्यायालय नैनीताल के पूर्व न्यायमूर्ति बीएस वर्मा, शहरी विकास के सहायक निदेशक विनोद कुमार और पंचायती राज के अपर सचिव ओमकार सिंह ने जनसुनवाई की। इस दौरान सभासद सहित आम जनमानस ने अपने-अपने सुझाव रखें। पूर्व पालिकाध्यक्ष अशोक नबियाल ने कहा कि सीमा पर बसा यह क्षेत्र जनजातिय बाहुल्य क्षेत्र है। मतदाताओं की संख्या के आधार पर ही सीट का आरक्षण निर्धारित होना चाहिए। गोरखा समुदाय के अध्यक्ष भूपेंद्र थापा ने कहा कि यहां ओबीसी समुदाय के लोग अन्य वर्गो से पिछड़े हुए हैं। निकाय चुनाव में ओबीसी वर्ग को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। अनुवाल समुदाय के अध्यक्ष गुमान बिष्ट ने कहा कि पूर्व में सरकार ने 154 जातियों को ओबीसी का दर्जा दिया है। इस कारण ओबीसी की संख्या अधिक है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख नेत्र कुंवर ने कुछ समय पूर्व हुए ओबीसी सर्वे की सूची को सार्वजनिक करने की बात कही। अन्य कई लोगों ने भी अपने सुझाव समिति के समक्ष रखें। यहां सभासद वीरेंद्र गब्र्याल, जानकी गुंज्याल, प्रेमा कुटियाल, राधा मर्तोलिया, बेला शर्मा, कांग्रेस महिला जिलाध्यक्ष डीडीहाट नंदा बिष्ट, कमल कौशल आदि मौजूद रहे।

जी-20 की तैयारियों को डीबीएस में विभिन्न प्रतियोगिताएं

देहरादून। उत्तराखंड को जी-20 बैठकों की मेजबानी मिलने पर छात्रों को जागरुक करने के लिए डीबीएस पीजी कालेज में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें कालेज की डिबेट एवेम लिटरेरी कमेटी ने 15 से 18 अप्रैल तक निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता कराई। कमेटी की संयोजिका डॉ पूनम प्रभा सेमवाल ने बताया की इन सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को जी-20 के बारे में जागरूक करना है। उन्होनें बताया कि छात्रों ने भरपूर उत्साह दिखाते हुए भारी संख्या में अपने निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता भेजे। बुधवार को प्राचार्य डा. वीसी पांडे एवं उप प्राचार्य प्रोफेसर अनिल पाल ने निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट एवं ट्रॉफीज से पुरष्कृत कर उनका उत्साह वर्धन किया।